प्रिय -----,

(1) ईश्वर — परम बुद्धिमत्ता — ने मुझे आपके लिए एक ___ बनने की यह इच्छा प्रदान की है। सर्वशक्तिमान शक्ति मेरे भीतर विद्यमान है, जो मुझे आपके प्रति बिना किसी शर्त के प्रेम करने, उसे व्यक्त करने और उसे जीने में सक्षम बनाती है।

(2) सर्वशक्तिमान की यही बुद्धिमत्ता और शक्ति मेरा समर्थन करती है तथा मुझे अपने और आपके लिए जीवन के सभी लक्ष्यों और इच्छाओं को पूरा करने में सक्षम बनाती है।

(3) मैं नियमित और व्यवस्थित रूप से सर्वशक्तिमान की बुद्धिमत्ता और शक्ति पर चिंतन करता/करती हूँ। और अब मैं आपके मेरे जीवन में आने के मार्ग में आने वाले किसी भी अवरोध, विलंब, रुकावट या असफलता के विचार को विलीन करने के लिए तैयार हूँ।

(4) मैं जानता/जानती हूँ कि इस प्रकार निरंतर चिंतन करने से मेरा विश्वास और आत्मविश्वास बढ़ता है तथा मेरी शक्ति और संतुलन में वृद्धि होती है, क्योंकि ईश्वर ने हमें भय की भावना नहीं, बल्कि शक्ति, प्रेम और स्वस्थ बुद्धि की भावना प्रदान की है।

(5) और यह अनंत बुद्धिमत्ता अब हमारे लिए कार्य कर रही है ताकि हमें एक साथ ला सके और/या हमारे बीच विद्यमान कर्मिक समीकरण (Karmic Equation) को पूर्ण कर सके, जिससे हम अपना जीवन जी सकें और अपने भीतर तथा एक-दूसरे के साथ विद्यमान दिव्यता के बंधन को साझा कर सकें।

(6) मैं __ में प्राप्त इस अवसर के लिए दिव्य बुद्धिमत्ता, आपको और स्वयं को कृतज्ञतापूर्वक धन्यवाद देता/देती हूँ।